प्रवासी मजदूरों के लिए 625 राहत कैम्प 1,09,103 मजदूरों के लिए भोजन की व्यवस्था

संवाददाता

रांची : खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखंड सरकार द्वारा कोरोना वायरस के संकट को देखते हुए राज्य के जरूरतमंद असहाय लाभुकों के लिए आपातकालीन व्यवस्था के अंतर्गत संचालित च्छ्डै कॉल सेंटर में आपातकालीन टॉल फ्री नम्बर 1967 व 1800 212 5512, जारी किया गया है। साथ ही जरूरतमंद व्यक्ति 89695 83111 के जरिये व्हाट्सएप्प और एसएमस भी कर सकते हैं। वेबसाईट पर या ई-मेल कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। विभाग की ओर से जिला एवं पंचायत स्तर पर भोजन की व्यवस्था की गई है साथ ही जरूरतमंदों तक दो माह तक का अग्रिम खाद्यान्न भी उपलब्ध कराया गया है। विभाग इसके लिए हर संभव प्रयास कर रहा है कि किसी भी घर में कोई भूखा न सोये। विभाग, द्वारा प्राप्त आंकड़ो के अनुसार अभी तक 1,34,486 लोगों तक अनाज पहुंचा दिया गया है। वहीं नन पीडीएस के तहत 1,56,630 लोगों तक अनाज उपलब्ध करा दिया गया है। दाल भात के विभिन्न योजनाओं में अब तक 29,10,168 लोगों को खाना खिलाया जा चुका है। विभाग द्वारा 36,306 लोगों तक विशेष राहत सामग्री के पैकेट पहुचाये गए हैं। एनजीओ एवं वोलेंटियर की टीम द्वारा 15,74,086 लोगों को खाना खिलाया जा चुका है। वहीं प्रवासी मजदूरों के लिए 625 राहत कैम्प में 1,09,103 मजदूरों को खाना खिलाया जा रहा है। इसके साथ ही राज्य में 13,57,506 पेंशन धारकों तक उनके पेंशन की राशि भी उपलब्ध करा दी गई है।

विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन क्लास शुरू हो

रांची : बीटेक और पॉलिटेक्निक के छात्रों के लिए झारखंड के इंजीनियरिंग कॉलेज और डिप्लोमा के प्रोफेसर,शिक्षिका सब से अनुरोध है की कोविड-19 और लॉकडाउन के समय मे छात्रों के पढ़ने और ऑनलाइन क्लास लेने का आरंभ किया जा सकता है। इसकी मांग लगातार छात्रों द्वारा की जा रही है। झारखण्ड सहित पुरे देश में सववाकवूद की समय सिमा वढ़ाये जाने की आशंका दिखाई दे रही है ऐसे में सरकार को भी इस विषय पर ध्यान देना चाहिए।

प्रखंड के गरीब मजदूरों व असहायों के लिए मसीहा बनीं पूर्व विधायक

संवाददाता

बेड़ो : कोरोना वायरस से वचाव के लिए लॉकडाउन में मांडर की पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर ने प्रखंड के गरीव मजदूर,असहाय व जिनका राशन कार्ड नहीं है, उनके लिए मोदी आहार के तहत चावल, आलू व दाल सोयावीन बड़ी उपलव्ध कराया है। पूर्व विधायक ने बेड़ो व नरकोपी मंडल के कार्यकर्ताओं की एक कमिटी बनाई है, जो प्रखंड के सभी पंचायतों में निवास करनेवाले गरीव, असहाय व राशन कार्ड से वंचितों के प्रत्येक परिवार को मोदी आहार का पैकेट बनाकर घर-घर पहुंचा रहे हैं। जहां, शनिवार कोपहाड़कंडरिया, भैंसादोन, चनगनी, बलारामपुर, चनकोपी, खुखरा गांव में मोदी आहार के पैकेट का वितरण कुमोद वर्मा व राजेश साहु द्वारा किया गया। पूर्व विधायक ने कहा कि जव तक लॉकडाउन रहेगा, तव तक अनाज उपलव्ध कराया जायेगा। साथ ही जरूरत पड़ी तो और राशन उपलव्ध कराया जायेगा। वहीं उन्होंने लोगों से अपील किया है कि सभी लोग अपने-अपने घरों में रहें सुरक्षित रहें। लॉक डाउन के दिशा निर्देश का पालन करें।

योगदा सत्संग ने नौ गांवों के लोगों के बीच चलाया सहायता शिविर

■ कोरोना बन्दी से प्रभावित जरूरतमंद डेढ़ हजार से अधिक ग्रामीणों को दी गयी समुचित सामग्री

संवाददाता

रांची : विश्वव्यापी अत्यंत घातक महामारी 'कोविड 19' के कारण भारत में चल रहे लॉकडाउन के कारण दैनिक उपयोग की सामग्री से वंचित डेढ़ हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों की जरूरतें पूरी करने की नीयत से योगदा सत्संग आश्रम रांची ने शनिवार को शिविरों का आयोजन किया। आश्रम सूत्रों के अनुसार यह आयोजन जोमेटो फिडिंग इंडिया नामक एनजीओ की सहभागिता में किया गया। आश्रम की ओर से नामकोम प्रखंड स्थित लीची बगान, हरिजन कालोनी और नीचे टोला में 350 परिवारों के बीच सहायता सामग्री के पैकेट बना कर

वितरण किया गया। इन ग्रामीणों के बीच कुल जमा 700 किलो आलू, 700 किलो प्याज, 175 लीटर सरसों तेल, 700 नहाने और कपड़े धोने के साबुन तथा 500 मास्क का वितरण किया गया। सहायता शिविर में डॉ. पवन वर्णवाल ने ग्रामीणों को कम से कम एक मीटर शारीरिक दूरी बना कर रहने और हर घंटे साबुन से हाथ धोने, मास्क पहन कर चलने और अन्य सुरक्षात्मक उपाय बताये। सहायता शिविर में भी ग्रामीणों को चॉक का घेरा बना कर एक-एक मीटर की दूरी पर खड़ा किया गया और बताया गया कि घर से बाहर निकलने पर ऐसा ही करना आवश्यक है। दूसरा किंतु बड़ा सहायता शिविर जोन्हा के निकट लगाया गया। इस शिविर में गुरीडीह पंचायत के छह गांवों के 1,200 ग्रामीण परिवारों को अपेक्षित सामग्री दी गयी। उनके बीच नहाने के छह हजार और कपड़े धोने के भी छह हजार साबुन टिकिया तथा ढाई हजार मास्क का वितरण किया गया। इस शिविर में योगदा सत्संग सोसाइटी के महासचिव स्वामी ईश्वरानंद स्वयं उपस्थित थे। स्वामी ईश्वरानंद छाती विशेषज्ञ एमडी डिग्री प्राप्त हैं। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि कोरोना वॉयरस से उत्पन्न जानलेवा 'कोविड 19' महामारी पूरी दुनिया में फैल गयी है। वह संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने पर दूसरे व्यक्ति को प्रभावित कर देती है। इसका पता कुछ दिनों बाद ही चल पाता है। इसका अभी कोई समुचित निदान भी नहीं ढूंढा जा सका है। बचाव ही एकमात्र उपाय है। इसलिए मास्क पहना अत्यंत आवश्यक है तथा संक्रमण से बचने के लिए समुचित तरीके से हर घंटे हाथ साबुन से धोने के अलावा हर व्यक्ति के बीच कम से कम एक मीटर की दूरी बना कर रहना ही सरलतम उपाय है। योगदा आश्रम ने तीन दिन पूर्व भी रांची में ऐसा ही सहायता शिविर चलाया था। आश्रम सूत्रों ने बताया कि जबतक कोरोना बंदी उठा नहीं ली जाती, तबतक समय-समय पर ऐसे शिविर संचालित किये जाते रहेंगे। स्वामी ईश्वरानंद ने कहा कि योगदा सत्संग के संस्थापक श्री श्री परमहंस योगानंद जी ने मानवता की रक्षा का जो संदेश दिया था, उस पर आश्रम लगातार अमल कर रहा है। ये शिविर भी उसी राह पर चलते रहने के संकल्प की एक कड़ी हैं। आश्रम सरकार के संकल्प 'कोई भूखा न रहे' के साथ है और अपनी ओर से जरूरतमंदों की हरसंभव सहायता को तत्पर है। स्वास्थ्य, भोजन आदि की जरूरतों में सहायता पहुंचाने को वह वचनबद्ध है। यदि कोई नागरिक इस सहायता अभियान में भागीदार बनना चाहता है, तो वह एचटीटीपीएस://वाईएसएस ऑफ इंडिया डॉट ओआरजी/डोनेट फॉर-कोविड-पीएचपी पर संपर्क कर सकता है।